the-scene agreements, it will give rise to a lot of doubts about kickbacks and things like that. In order to remove all these doubts, it is high time that the Government clearly enunciated its policies. I request the Government to cancel this agreement. It should be renegotiated. By cancelling the agreement, even if it involves losing one or two million dollars, it would be better to lose it, instead of continuing the project, in the interest of the country.

RE: FIRE ACCIDENTS IN DELHI

श्री नरेश यादव : (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, दिल्ली राजधानी क्षेत्र में कल तड़के चार बजे यमुना पुश्ता झुग्गी बस्ती, करोल बाग झुग्गी बस्ती, समयपुर बादली में अग्निकांड से लगभग तीन हजार झुग्गी झोंपड़ियां जल कर राख हो गई तथा चार लोगों की जलने से मृत्यु हो गई, आधा दर्जन से अधिक लोग जयप्रकाश नारायण अस्पताल में आज दाखिल हैं, इलाज करा रहे हैं । एक सप्ताह पूर्व भी सीमापुरी की झुग्गी बस्ती में आग लगा गई थी जिसमें 9 लोगों के झुलसने से मृत्यु हो गई थी, जिनमें 8 बच्चे थे । महोदय, एक तरफ दिल्ली की प्रचण्ड तपिश में लोगों को घर में रहना भी मुश्किल हो गया है वहां अग्निकांड से पीड़ित गरीब लोग खुले आसमान में जीवन जीने को मजबूर हो रहे हैं । हम इसकी कल्पना कर सकते हैं कि वे किस तरह से अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं । मैं इस सदन के माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि यह एक सप्ताह के भीतर फिर से अग्निकांड हो जाना, इसकी पूर्ण जांच करनी चाहिये तथा उन गरीबों के प्रति जिनके पास रहने के लिए कोई साधन नहीं हैं निश्चित तौर से आज उनके लिए सहानुभूति बरतनी चाहिये । यह मामला राज्य सरकार का हैं लेकिन मानवता के आधार पर इस मामले को देखा जाना चाहिये तथा आज जो गरीबों की बस्ती हैं, झुग्गी-झोंपड़ी बस्ती है, सरकार को उनकी सहायता करनी चाहिये तथा उनको झुग्गी-झोंपड़ी के निर्माण के लिए व्यवस्था करनी चाहिए । बहुत बहुत धंयवाद ।

RE: INORDINATE DELAY IN RUNNING DMU TRAINS FROM FAZILKA TO BHATINDA AND FIROZPUR

श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) : वाईस चेयरमैन साहब, आपका मैं शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मैं रेलवे की जो कैलसनेस, इंडिफरेंस, कैजुअलनेस और इम्यून टु द पब्लिक सफरिंग के कई रवैया हैं...

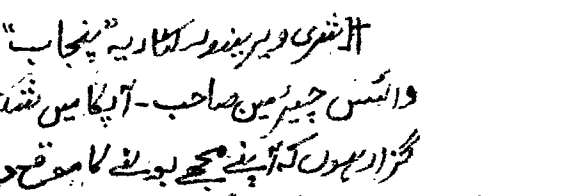

MISS SAROJ KHAPARDE: Sir, how long will the Zero Hour continue?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): I believe Mr. Malkani is the last speaker and he is not present now.

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, there are three Special Mentions also.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. K. R. Malkani is the next speaker. He is not present here. Mr. Virendra Kataria, you please continue.

श्री वीरेंद्र कटारिया (पंजाब) : वाईस चेयरमैन साहब, फाजिल्का हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की सरहद पर बसा हुआ एक सरहदी शहर है । इस शहर के लोगों ने दो जंगों में पाकिस्तान के हमले को झेला हैं और रोका हैं और हिन्दुस्तान की हिफाजत की हैं । यह फाजिल्का नार्दर्न

रेलवे के फरोजपुर डिवीजन का एक आखिरी स्टेशन है जहां सफर के लिए रेलगाड़ियों की बहुत कमी है जिसकी वजह से लोगों को बहुत इन्कन्वीनियंस और परेशानी होती है ।

रेल मंत्री साहब ने कमाल मेहरबानी से इस साल के रेलवे बजट में फाजिल्का से भटिण्डा और फिरोजपुर दो, डी०एन०यू० गाड़ियां चलाने का ऐलान किया था जिसके लिए फाजिल्का के लोग और मैं उनके बहुत मशकूर हैं । लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि करीब दो महीने से यह गाड़ी फाजिल्का रेलवे स्टेशन पर खड़ी है, दो तीन दफा इसके इनागरेशन की तारीख का ऐलान भी किया जा चुका है लेकिन मुझे मालूम नहीं कि इसको क्यों चलाया नहीं जा रहा और यह गाड़ी फाजिल्का रेलवे स्टेशन पर दो महीने से खड़ी लोगों का मुंह चिढ़ा रही है । फाजिल्का की म्यूनिसिपल कमेटी, बार एसोसिएशन, व्यापार मंडल, कंज्यूमर एसोसिएशन और दर्जनों संस्थाओं ने जिनके ये टेलीग्राम्स मेरे हाथ में हैं, ऐसे ही टेलीग्राम्स रेलवे मंत्री जी को, रेलवे बोर्ड के चेयरमैन को और नार्दन रेलवे के जनरल मैनेजर को देकर इनसे दरख्वास्त की कि दो महीने से हम परेशान हो रहे हैं । अगर यह गाड़ी 1 जून तक नहीं चली तो हम रेलवे लाइन पर धरना देंगे और आज अगर वह गाड़ी न चली तो वे रेलवे लाइन पर धरना देने जा रहे हैं, दूसरी गाड़ियों को डिसरप्ट करने जा रहे हैं । मैं रेलवे मिनिस्टर साहब से कई मरतबा मिलकर इस गाड़ी को फौरी तौर पर चलाने की दरख्वास्त कर चुका हूं और वे तारीखें भी मुकर्रर कर चुके हैं । लोगों को इस देर की वजह से बहुत परेशानी और तकलीफ हो रही हैं और इसके साथ-साथ रेलवे के रेवेन्यू को बहुत भारी नुकसान हो रहा हैं ।

वाईस चेयरमैन साहब, जब फाजिल्का भटिण्डा रेलवे लाइन को मीटर गेज से ब्राडगेज किया गया था उस उक्त भी आ। गेज पर गाड़ी चलाने में चार महीने लगे थे जबकि लाइन मुकम्मल हो चुकी थी । तब भी चार महीने लगे थे और लोगों ने एजीटेशन की थी तब उस गाड़ी को चलाया गया था । इस रेलगाड़ी को जो दो महीने से रेलवे प्लेटफार्म पर खड़ी है, लोगों की असुविधा हो रही है और रेलवे के रेवेन्यू का नुकसान हो रहा है, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री से यह कहूंगा कि फौरी तौर पर इस गाड़ी को चलाया जाए और लोगों को इस बात के लिए मजबूर न किया जाए कि कोई काम कराने के लिए एजीटेशन करनी जरूरी हैं क्योंकि ऐसी फीलिंग देना डेमोक्रेसी की जड़ों में तेल देने के बराबर हैं । यही मेरी आपके माध्यम से दरख्वास्त है ।

उपसभापति महोदय: वाईस चेयरमैन साहब - फाजिल्का हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की सरहद पर बसा हुआ है और एक सरहदी शहर है इस शहर के लोगों ने दो जंगों में पाकिस्तान के हमले को झेला है और रोका है और हिन्दुस्तान की हिफाजत की है - ये फाजिल्का "नार्दन रेलवे" के फिरोजपुर डिवीजन का एक आखिरी स्टेशन है जहां सफर के लिए रेलगाड़ियों की बहुत कमी है जिसकी वजह से लोगों को बहुत "इनकन्वीनियंस" और परेशानी होती है - रेल मंत्री साहब ने कमाल मेहरबानी से इस साल के रेलवे बजट में फाजिल्का से भटिण्डा और फिरोजपुर - दो डी० एन० यू० गाड़ियां चलाने का ऐलान किया था जिसके लिए फाजिल्का के लोग और मैं इनके बहुत मशकूर हैं - लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि करीब दो महीने से यह

اور اسکے ساتھ ساتھ ریلوے کے ریونیو کو بہت بھاری نقصان ہو رہا ہے۔

وائس چیرمین صاحب۔ جب "فاضلکا بھٹنڈا" لائن کو "میٹر گیج" سے "براڈ گیج" کیا گیا تھا اسوقت بھی براڈ گیج پر گاڑی چلانے میں چار مہینے لگے تھے۔ جبکہ لائن مکمل ہو چکی تھی۔ تب بھی چار مہینے لگے تھے اور لوگوں نے "اجی ٹیشن" کی تھی تب اس گاڑی کو چلایا گیا تھا۔ اس گاڑی زیل گاڑی کو جو دو مہینے سے ریلوے پلیٹ فارم پر کھڑی ہے لوگوں کو "اے سو ریدھا" ہو رہی ہے اور ریلوے کے ریونیو کو نقصان ہو رہا ہے۔ میں آپکے مادھیم سے ریل منتری سے یہ کہونگا کہ فوری طور پر اس گاڑی کو چلایا جائے اور لوگوں کو اس بات کیلئے مجبور نہ کیا جائے کوئی کام کرانے کیلئے "اجی ٹیشن" ضروری ہے۔ کیونکہ ایسی فیلنگ دینا ڈیموکریسی کی جڑوں میں تیل دینے کے برابر ہے۔ یہی میری آپکے مادھیم سے درخواست ہے۔ "ختم شد"

فاضلکا ریلوے اسٹیشن پر کھڑی ہے دو تین دفعہ اسکے "انا گریشن" کی تاریخ کا اعلان بھی کیا جا چکا ہے لیکن مجھے معلوم نہیں کہ اسکو چلایا کیوں نہیں جا رہا ہے اور یہ گاڑی فاضلکا ریلوے اسٹیشن پر کھڑی لوگوں کا منہ چڑا رہی ہے۔ فاضلکا کی "کمیونیسیٹ کمیٹی" "بار ایسوسی ایشن" "ویاپار منڈل" "کنزیومر ایسوسی ایشن" اور جنون منتھاؤں نے جنکے یہ ٹیلیگرام میرے ہاتھ میں ہیں۔ ایسے ہی ٹیلیگرامس ریلوے منتری جی کو ریلوے بورڈ کے چیئرمین کو اور نارتھ ریلوے کے جنرل منیجر کو دے کر ان سے درخواست کی کہ دو مہینے سے ہم پریشان ہو رہے ہیں اگر یہ گاڑی جون تک نہیں چلی تو ہم ریلوے لائن پر دھرنا دینگے اور اگر آج وہ گاڑی نہ چلی تو وہ ریلوے لائن پر دھرنا دینے جا رہے ہیں۔ دوسری گاڑیوں کو "ڈسرپٹ" کرنے جا رہے ہیں۔ میں ریلوے منسٹر صاحب سے کئی مرتبہ مل کر اس گاڑی کو فوری طور پر چلانے کی درخواست کر چکا ہوں اور وہ تاریخیں بھی مقرر کر چکے ہیں۔ لوگوں کو اس دیری وجہ سے بہت پریشانی اور تکلیف ہو رہی ہے

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Now, Shri K. R. Malkani — not present.

Let us now take up the Special Mentions. Shri Mohan Babu — not present. Shri Thangaraj Pandian — not present. Shri Sanjay Dalmia — not present.

Now, we shall take up the Maternity Benefit (Amendment) Bill, 1995. Mr. P. A. Sangma to move the motion for the consideration of the Maternity Benefit (Amendment) Bill, 1995.

SHRIMATI KAMLA SINHA: Mr. Vice-Chairman, the Minister is not here.

SHRI JAGDISH TYTLER: He is not well.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHAURI): We will take up the next Bill.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Mr. Vice-Chairman, we insist that the Order be struck down.

SHRIMATI MARGARET ALVA: If this Bill is not moved, we will move the next Bill. What is the problem? He has not been feeling well. He has gone to the doctor. He will just be coming back.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): It is an important Bill. We your co-operation.

SHRI S. JAIPAL REDDY: This is an important Bill not only from your point of view but also from our point of view.

THE VICE-CHARMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Okay, let us go to the next Bill. Mr. Jagdish Tytler to move the Bill.

THE NATIONAL HIGHWAYS (AMENDMENT) BILL, 1995

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): Mr. Vice-CHAIRMAN Sir, I beg to move:

"That the Bill further to amend the National Highways Act, 1956, as passed by the Lok Sabha, be taken into consideration."

With your permission, sir, I would like to say a few words while moving the National Highways (Amendment) Bill, 1995, as passed by the Lok Sabha, for consideration and approval. The activities of the National Highways and other matters connected there with are governed by the National Highways Act, 1956, (48 of 1956). The total length of National Highways in the country at present is 34,058 Kms. Though the National Highway Network constitutes only about 2 per cent of the total road length in the country, it is carrying nearly 40 per cent of the total traffic carried by all categories of roads. In view of the constraint of budgetary resources and growing requirements of the Highway sector, there is need to augment resources through mobilisation of extra budgetary resources for proper development and upkeep of National Highway system. In the context, and in the background of the current environment of economic liberalisation, this Ministry has initiated a number of measures to explore the possibility of involving private sector participation in the highways sector. With this in view the Government has taken a number of measures like declaration of road sector as industry, relaxation of provision of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, declaration of road sector as infrastructure and reduction of Customs duties on import of construction equipments. A number of private investors including foreign investors have shown interest in the proposals of the Government to open the road sector for private investment. However, in the absence of an enabling provision in the National Highways Act, 1956 to permit private participation it has not been possible to do so.